कोयले की बढ़ती हुई मांग

1468. श्री राम जेठमलानी :
श्री वीरेन जे. शाह :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान देश में विभिन्न ताप-विद्युत संयंत्रों के माध्यम से 20,156 मेगावाट विद्युत के उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किये जाने के परिणामस्वरूप कोयले की मांग में वृद्धि होने की संभावना है :

(ख) यदि हां, तो इस अवधि के दौरान कोयले की कितनी मात्रा की आवश्यकता होने का अनुमान है;

(ग) क्या यह भी सही है कि इस मांग को पूरा करने हेतु 19,374 करोड़ रुपये की आवश्यकता आंकी गई है :

(घ) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि वित्तीय कठिनाइयों के कारण सरकार द्वारा इतनी विशाल धनराशि व्यय कर पाना संभव नहीं है;

(ङ) यदि हां, तो कोयले के उत्पादन में वृद्धि हेतु अभी तक कितनी धनराशि आवंटित की गई है ;

(च) सरकार द्वारा क्षेप धनराशि जुटाने हेतु क्या पहल की गई है; और

(छ) इस प्रकार की पहल के परिणामस्वरूप अप्रैल, 1993 के अंत तक क्या-क्या उपलब्धियां रही हैं ?

कोयला मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) और (ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना (1996-97) के अंत तक कोयले की समग्र मांग 311 मिलियन टन होगी जिसमें से विद्युत् क्षेत्र की मांग 200.30 मिलियन है और इसके अलावा वाशरी मिडिलिंग के संबंध में 6.80 मिलियन टन की मांग होगी।

(ग) से (ङ) 19,374.07 करोड़ रुपये के प्रस्तावित परिव्यय की तुलना में 8वीं पंचवर्षीय योजना के लिए कोयला तथा लिग्नाइट के लिए 12,357 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। आवंटित निधियों का इस्तेमाल करने में कोई कठिनाई नहीं होगी।

(च) और (छ) : संसाधनों की कमी तथा अन्य तथ्यों को देखते हुए कोयला संभावित क्षेत्रों में विद्युत् उपभोग तथा अन्य अंतिम उपयोग किए जाने हेतु जो कि अधिसूचित किया जाना है, ग्रहीत उपभोग के संबंध में निजी क्षेत्र की भागीदारी की अनुमति दिए जाने के लिए संसद में एक बिल पारित किया गया है।

Adverse effects of Jharkhand movement on coal. sector

1469. SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA : Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that heavy loss was incurred due to stir/movement launched by Jharkhand activities in Bihar on Coal transaction from different collieries;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what remedial steps, Government have taken or propose to take to recover the losses so far incurred ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA) : (a) to (c) The economic: blockade launched by All Party Jharkhand State Struggle Committee did result in reduced coal supplies to some consumers. Generally, the movement capacity once lost can not be made up subsequently and to that extent total off-take gets affected by such agitations. However, all possible action was taken well in advance to build up stocks with consumers and maintain despatches even during the agitation period.

Production of coal was also by and large maintained during the agitation period and the coal companies were able to achieve the target of coal production set for them for the year.

Labour productivity in underground coal mines

1470. SHRIMATI KAMLA SINHA: Will the Minister of COAL be pleased to state: